नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आतंक के नए गठजोड़ पर सख्त प्रहार जरूरी

दिल्ली पुलिस द्वारा आईएसआई और दाऊद इब्राहिम से जुड़े कथित टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ देश की सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता का बड़ा उदाहरण है. आठ संदिग्धों की गिरफ्तारी और उनके पास से पाकिस्तान निर्मित हैंड ग्रेनेड, ग्लॉक पिस्टल तथा बड़ी मात्रा में कारतूसों की बरामदगी यह संकेत देती है कि भारत विरोधी ताकतें अभी भी देश के भीतर अस्थिरता पैदा करने की साजिशों में लगी हुई हैं. यह मामला केवल कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक नेटवर्क की ओर इशारा करता है जो सीमा पार बैठे संचालकों, अंडरवर्ल्ड गिरोहों और स्थानीय मॉड्यूलों के माध्यम से देश की सुरक्षा को चुनौती देने का प्रयास करता है.

प्रारंभिक जांच के अनुसार इस मॉड्यूल का निशाना दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़ और मुंबई जैसे महत्वपूर्ण शहर थे. सुरक्षा प्रतिष्ठानों, पुलिसकर्मियों, रेलवे स्टेशनों, सार्वजनिक स्थलों और महत्वपूर्ण ढांचागत परिसंपत्तियों को टारगेट बनाने की योजना बताती है कि आतंकवाद का उद्देश्य केवल जान-माल की हानि पहुंचाना नहीं होता, बल्कि आम नागरिकों में भय और असुरक्षा का वातावरण बनाना भी होता है. ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समय रहते कार्रवाई किया जाना बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है.

इस पूरे घटनाक्रम का एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि आतंकवादी और आपराधिक नेटवर्कों के बीच की रेखाएं लगातार धुंधली होती जा रही हैं. दाऊद इब्राहिम का नेटवर्क लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों और सीमा पार आतंकी तंत्र से जुड़ा माना जाता रहा है. जब संगठित अपराध और आतंकवाद एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं, तब उनके खिलाफ लड़ाई और अधिक जटिल हो जाती है. धन, हथियार, लॉजिस्टिक्स और स्थानीय संपर्कों का साझा उपयोग सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी करता है.

इस मामले में नेपाल के एक नागरिक की गिरफ्तारी और कथित रूप से 'सेफ हाउस' तथा फंडिंग की व्यवस्था की जानकारी भी महत्वपूर्ण है. दक्षिण एशिया के खुले और संवेदनशील सीमाई क्षेत्रों का दुरुपयोग लंबे समय से आतंकवादी नेटवर्क करते रहे हैं. इसलिए केवल सीमा सुरक्षा ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और वित्तीय निगरानी को भी और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है.

हालांकि इस मामले की जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही सामने आएंगे, लेकिन इतना स्पष्ट है कि भारत के खिलाफ सक्रिय तत्व लगातार नए तरीके तलाश रहे हैं. ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों को आधुनिक तकनीक, साइबर निगरानी, वित्तीय ट्रैकिंग और मानव खुफिया तंत्र को और सशक्त बनाना होगा. साथ ही समाज को भी सतर्क रहना होगा, क्योंकि कई बार ऐसे नेटवर्क स्थानीय स्तर पर भ्रमित या लालच में आए युवाओं का इस्तेमाल करते हैं.

दिल्ली पुलिस की यह कार्रवाई एक महत्वपूर्ण सफलता है, लेकिन इसे अंतिम जीत नहीं माना जा सकता. आतंकवाद और उसके समर्थक नेटवर्कों के खिलाफ संघर्ष सतत और बहुआयामी है. देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक है कि केंद्र और राज्य एजेंसियां समन्वित ढंग से काम करें, खुफिया तंत्र को लगातार मजबूत किया जाए और आतंक के हर स्रोत पर निर्णायक प्रहार किया जाए. यही राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे बड़ी आवश्यकता है.

विंध्य की डायरी

कांग्रेस संगठन सृजन अभियान से खेमेबाज चिंतित

डॉ. रवि तिवारी

पिछले ढाई दशक से प्रदेश की सत्ता से बाहर कांग्रेस ने वापसी की जो रणनीति बनाई है उसका असर हमेशा की तरह विपक्ष में कम अंदरूनी राजनीति में ज्यादा दिखाई दे रहा है. कांग्रेस ने इस बार अपने कार्यक्रमों को लेकर कुछ गोपनीय प्रयास किए हैं. प्रशिक्षण वर्ग को आवासीय के साथ-साथ सिर्फ अधिकृत लोगों तक ही सीमित रखने का प्रयास किया गया है. वर्ग में सिर्फ कार्डधरियो को प्रवेश की अनुमति दी गई,जबकि परम्परा के मुताबिक कांग्रेस किसी भी कार्यक्रम में राजनीति के लंबरदारों को कोई रोक-

टोक कम ही देखने को मिलता था. इस घटनाक्रम से सबसे ज्यादा बेचैन चुनाव के लड़िया नजर आ रहे हैं. उन्हें अभी से यह समझ आ रहा है कि इस बार पार्टी जिन्हें मौका देगी उसमें उनकी राय शायद ही शामिल होगी. अवसरवादी नेताओं के बर्ताव से हाशिए पर आ चुकी कांग्रेस के प्रति राजनीति की नई पौध में आकर्षण दिखाई दे रहा है. विचारधाराओं के संकट से जूझ रहे दलों के पास अब अपनी पहचान के नाम पर कुछ नहीं बचा. कांग्रेस ही ऐसा दल है जो अभी भी अपनी विरासत को बचाए हुए है, जिस प्रकार से प्रशिक्षण शिविर में अनुशासन और एकता का पाठ पढ़ाया गया है अगर इसका पालन सुनिश्चित किया गया तभी पार्टी संगठनात्मक रूप से मजबूत होकर सत्ता के खिलाफ लड़ाई लड़ सकेगी. अभी पार्टी की कार्यशैली को लेकर कार्यकर्ताओं में भी उत्साह देखने को मिल रहा है असली परीक्षा चुनाव और टिकट निर्धारण के समय देखने को मिलेगी .कितने नेता पार्टी के साथ निष्ठावान होकर खड़े रहते हैं फिलहाल यह भविष्य के गर्त में है.

सत्ता और विपक्ष आमने-सामने

विकास के मामले में सतना कभी तेजी से आगे बढ़ रहा था लेकिन कुछ वर्षो से पीछे होता जा रहा है. सतना के विकास को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता आमने-सामने आ गये. दोनो ही दलो के नेता विकास के मामले में जनप्रतिनिधियों से उनके कार्यकाल के दौरान किये गये कार्य और लाई गई योजनाओं का हिसाब मांग रहे है. हाल ही में सतना दौरे पर पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जन संवाद के दौरान सांसद गणेश सिंह पर सवाल उठाते हुए पूछा कि 25 सालों से भाजपा के सांसद हैं लेकिन सतना को क्या मिला? साथ ही विकास कार्यों का हिसाब मांगा. प्रदेश अध्यक्ष ने विकास के मामले में राज्य सरकार और सतना सांसद को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया. उधर पलटवार करते हुए सांसद गणेश सिंह ने कहा कि वर्ष 2003 के पहले और 18 महीने की सरकार का हिसाब बता दें. राज्य बीमार राज्य बन चुका था साथ ही सवाल उठाते हुए सांसद ने कहा 2003 के पहले कांग्रेस के जमाने में कोई भी एक विकास कार्य हमारे विंध्य में किये हैं तो बता नही पाएगे. सांसद ने नसीहत देते हुए कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को प्रदेश के विकास के आंकड़ों को साथ लेकर चलना चाहिए.

कांग्रेस का होगा अपना भवन

लंबे समय तक कांग्रेस प्रदेश में सत्ता में रही है और समूचा विंध्य कभी कांग्रेस का गढ़ था. दूसरे शब्दों में कहें तो यहीं से सरकार चला करती थी, लेकिन खुद का भवन नहीं था. जिसने भी कमान सम्भाली वह कांग्रेस को अपने घर या कार्यालय से चलाते रहे, कार्यकर्ताओं के लिये कोई स्थाई ठिकाना नही रहा और लम्बे समय बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भवन मिलेगा. जहां से कांग्रेस संगठन संचालित होगा. हाल ही में प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष ने विधि विधान से नवीन भवन का शिलान्यास किया है. जल्द ही बहुमंजिला भवन बनकर तैयार होगा. कार्यकर्ताओं एवं नेताओं के आपसी सहयोग से यह भवन मूर्तरूप लेगा. लम्बे समय से भवन की मांग उठती रही है कई ऐसे नेता थे जो किसी के घर में संचालित कार्यालय में जाने से संकोच करते थे. भवन बन जाने के बाद जहा संगठन को और मजबूती मिलेगी, वही कार्यकर्ता और नेता बैठ कर संवाद कर सकेंगे.

भोपाल गौरव दिवस

संघर्ष, बलिदान और राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा

आलोक शर्मा
सांसद, भोपाल

> दरअसल भोपाल विलीनीकरण आंदोलन स्वतंत्रता के बाद का एक महत्वपूर्ण अध्याय है. आज समाज और देश पीढ़ी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है. आने वाली पीढ़ी को यह पता होना चाहिए कि किस प्रकार भोपाल रियासत के नागरिकों ने नवाबी शासन से आजादी के लिए संघर्ष किया. भोपाल विलीनीकरण आंदोलन में भोपाल रियासत के नागरिकों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता. यह भारतीय लोकतंत्र की भावना और नागरिकों की एकता का प्रतीक है. आज भोपाल की 77वीं वर्षगांठ पर सभी भोपालवासियों को मेरी ओर से अनंत शुभकामनाएं, बधाई.

आज भोपाल अपनी आजादी की 77वीं वर्षगांठ 'भोपाल गौरव दिवस' के रूप में मना रहा है. भोपाल की जनता और विशेष तौर पर युवा पीढ़ी को यह जानना बहुत जरूरी है कि भोपाल को असली आजादी देश की स्वतंत्रता के 2 साल बाद 1 जून 1949 में इतनी देर से क्यों और कैसे मिली? दरअसल भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजादी 15 अगस्त 1947 हो चुकी थी लेकिन तब भोपाल आजाद नहीं हुआ था. न ही यहां आजादी की खुशियां मनाई गईं.

जब पूरे देश में आजादी का जश्न बनाया जा रहा था तब भोपाल में सन्नाटा पसरा हुआ था. भोपाल में तिरंगा 659 दिनों बाद फहराया जा सका. स्वतंत्रता की देशभर में बिखरी 584 में अधिकांश रियासतें सरदार वल्लभभाई पटेल के भागीरथी प्रयासों से स्वतंत्र भारत का हिस्सा बन चुकी थी किंतु मोहम्मद अली जिन्ना के बहकावे में जूनागढ़, भोपाल और हैदराबाद सहित कुछ रियासतें आजाद भारत का अंग बनने की बजाय अलग रहते हुए पाकिस्तान में विलय के लिए आतुर थी. लेकिन भोपाल की जनता को यह स्वीकार नहीं था. भोपाल का नवाब हमीदुल्लाह खां को पाकिस्तान का गवर्नर जनरल बना दिए जाने का भी लालच दिया गया था. अंग्रेजों के चाटुकार व स्वतंत्रता आंदोलन के विरोधी देशी रियासतों के संगठन चेंबर ऑफ प्रिंसेस के दो बार चांसलर रहे भोपाल नवाब का बाकी राजे-राजबाड़ों पर भी प्रभाव था. भोपाल रियासत के ही शिक्षित देशभक्त नवयुवकों ने भोपाल को पाकिस्तान बनाए रखने की साजिश को नाकाम कर आजाद भारत का अंग बनाने का प्रण लिया. भोपाल रियासत के अब तक के सर्वाधिक प्रबल विलीनीकरण आंदोलन का नेतृत्व भाई रतन कुमार गुप्ता ने किया. भोपाल की आजादी में पं. उद्धव दास मेहता, डॉ शंकर दयाल शर्मा, मास्टर लाल सिंह, नित्य गोपाल शर्मा, सूरजमल जैन, प्रोफेसर अक्षय कुमार, लक्ष्मी नारायण जैमिनी, प्रेम श्रीवास्तव बालकृष्ण गुप्ता, जमुना प्रसाद मुखरैया, बसंती देवी, शांति देवी, मोहिनी देवी और पुष्पा चारु के अविस्मरणीय योगदान को भुलाया नहीं जा सकता.

आंदोलन का केंद्र रहे भोपाल के जुमेराती स्थित 'रतन कुटी' जो कि 'नई राह' अखबार का कार्यालय भी था को नवाबी कुशासन ने सील कर दिया. उसके बाद यह आंदोलन भूमिगत रूप से नर्मदापुरम से संचालित होता रहा. सीहोर के इछावर और रायसेन भी इसके केंद्र थे. रायसेन जिले के बोरास में एक सभा के दौरान जब वहां तिरंगा फहराया जा रहा था तब पुलिस ने गोली चलाई. जिसमें चार आंदोलनकारी जिसमें सबसे युवा छोटेलाल (उम्र 16 वर्ष), धन सिंह, मंगल सिंह और विशाल सिंह बलिदान हो गए. जब बोरास के नृशंस गोलीकांड की खबर सरदार वल्लभभाई पटेल को लगी तो उन्होंने नवाब हमीदुल्ला को चेताया. उन्होंने 24 जनवरी 1949 को अपने सचिव वीपी मेनन को भोपाल भेजा था. यह घटना कोई साधारण घटना नहीं थी. आखिरकार बलिदानियों के पराक्रम और सरदार वल्लभभाई पटेल की शक्ति के आगे नवाब हमीदुल्लाह खान को झुकना पड़ा और बाद में 1 जून 1949 को भोपाल को आजादी मिली.

भोपाल का महापौर रहते हुए मैंने यह बात अपने सभी पार्षदों के बीच रखी कि हमें भोपाल की आजादी का दिवस 'भोपाल गौरव दिवस' के रूप में मनाना चाहिए. नगर परिषद ने भोपाल विलीनीकरण दिवस को 'भोपाल का गौरव दिवस' के रूप में मनाने का संकल्प पारित किया. तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी शुरुआत की और तब वर्ष 2017 से लगातार प्रतिवर्ष भोपाल गेट पर 'भोपाल गौरव दिवस' मनाया जा रहा है.

असम में समान नागरिक संहिता

असम विधानसभा ने यूसीसी (समान नागरिक संहिता) विधेयक पारित कर दिया जो कि बीजेपी के वैचारिक एजेंडा से सुसंगत है. इसके साथ ही उत्तराखंड और गुजरात के बाद वह इस बिल को पास करनेवाला देश का तीसरा राज्य बन गया. अब असम के सारे नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म के हों, उन पर विवाह, तलाक व उत्तराधिकार में यही कॉमन सिविल कोड लागू होगा. बीजेपी ने विगत वर्षों में 3 वादे किए थे- जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण और देश में समान नागरिक कानून लागू करना. शुरुआती 2 वादों की पूर्ति के बाद तीसरा वादा भी असम में लागू हो गया. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस बिल के पारित होने को ऐतिहासिक क्षण और वचन की पूर्ति बताया.

असम के यूसीसी बिल के अंतर्गत विवाह और तलाक को 60 दिनों के भीतर पंजीबद्ध कराना अनिवार्य होगा. इसमें बहु विवाह पर सख्ती से रोक होगी. एक से अधिक विवाह करनेवाले के लिए 7 वर्ष कारावास का प्रावधान है. लिव-इन में रहनेवाले युगल को अनिवार्य रूप से रजिस्ट्रेशन कराना होगा ताकि उन्हें कानूनी संरक्षण मिल सके. बेटा व बेटी को उत्तराधिकार में बराबरी का दर्जा दिया गया है. इस विधेयक का कांग्रेस, राइजोर दल और टीएमसी ने यह कहते हुए विरोध किया कि यह बिल राजनीति प्रेरित एजेंडा का हिस्सा है. उत्तराखंड और गुजरात के समान असम सरकार ने भी राज्य की छठी अनुसूची के तहत आनेवाले आदिवासी प्रशासित क्षेत्रों को छूट दी है कि वह अपने परंपरागत कानूनों का पालन कर सकते हैं. उन पर यूसीसी लागू नहीं होगा. बीजेपी आदिवासियों का समर्थन नहीं खोना चाहती. यूसीसी से असम की मुस्लिम आबादी प्रभावित होगी जो राज्य की जनसंख्या का 34 प्रतिशत है. अब यह विधेयक राज्यपाल और फिर राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए जाएगा.

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस बिल के पारित होने को ऐतिहासिक क्षण और वचन की पूर्ति बताया. असम के यूसीसी बिल के अंतर्गत विवाह और तलाक को 60 दिनों के भीतर पंजीबद्ध कराना अनिवार्य होगा. इसमें बहु विवाह पर सख्ती से रोक होगी.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

मोबाइल ऐप हुए मेहरबान जिंदगी हो गई बेहद आसान

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, एक वक्त ऐसा भी था जब रेडियो पर गीत सुनाई देता था- ऐ दिल है मुश्किल जीना यहां, जरा हटके जरा बचके, ये है बॉम्बे मेरी जां ! अब ऐसा वक्त आ गया जिसमें जीना बहुत आसान हो गया है. घर बैठे एप पर क्लिक करो और टैक्सी या ऑटो बुलवा लो. भूख लगी है तो जो चाहे तुरंत मंगवा लो. सब्जी, मिठाई, फरसाण, दूध, दही, ग्रॉसरी खरीदने धूप में निकलने की जरूरत नहीं, हर चीज मोबाइल से बुलवा लो. नल टपक रहा है, या बिजली गुल है तो कहीं भटकने की आवश्यकता नहीं, प्लंबर या इलेक्ट्रिशियन को मिनिटों में बुला सकते हैं. मनचाही ड्रेस या शू मोबाइल पर पसंद करो, तुरंत हाजिर हो जाएगा. बस, ट्रेन, हवाई जहाज की टिकट बुकिंग, होटल में रूम बुकिंग व फंड ट्रांसफर में मोबाइल मददगार है. जो काम कभी अलादीन का जादुई चिराग करता था वह अब स्मार्टफोन करने लगा है.'

हमने कहा, 'इतना ही नहीं अब तो बरतन मांजने, घर में झाड़ू लगाने, गार्डन में सिंचाई करने, कौर धोने और

कुत्ते को घुमाने के लिए भी डोमेस्टिक हेल्प को ऐप से बुलवा लो. धोबीकाका ऐप कपड़े धोकर प्रेस करके ऐसी बढ़िया पैकिंग में लाकर देगा जैसे आप अभी स्टोर से नई ड्रेस खरीदकर लाए हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, भरपूर पैसा हो तो हर काम घर बैठे हो जाता है. ब्लड टेस्ट कराने पैथालाजी लैब जाने की जरूरत नहीं. टेक्नीशियन घर आकर सैंपल लेगा और मोबाइल पर पूरी हेल्थ रिपोर्ट आ जाएगी. लंबी लाइन में खड़े रहने की बजाय आप तमाम बिल ऑनलाइन भर सकते हैं. सन् 2000 में आपने कल्पना भी नहीं की होगी कि लाइफ इतनी इजी गोइंग या आसान हो जाएगी. ऐसी सुविधाएं तो बादशाह अकबर या सम्राट अशोक के पास भी नहीं थीं. शापिंग के दौरान ढेर सारे बैग उठाना संभव नहीं है तो उसके लिए भी ऐप है. आपका सारा सामान बड़ी हिफाजत से घर पहुंच जाएगा. गिग वर्कर को काम और आपको पूरा आराम! हर चीज की आउटसोर्सिंग हो गई है. इतनी सुविधाजनक जिंदगी इंसान को निकम्मा या निठल्ला बना देगी. आरामतलब होने के बाद आप कहेंगे- अजगर करे ना चाकरी, पंछी करे ना काम, दास मलूका कह गए सबके दाता राम !'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12274 - डॉ. सागर खादीवाला

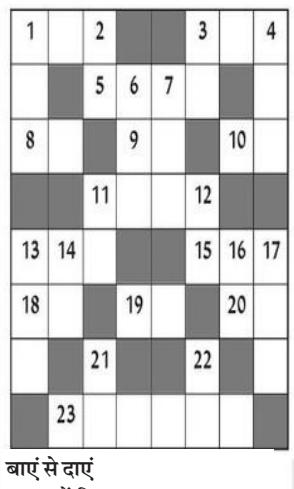

कीड़ा जो जीवों के शरीर में चिपककर उनका रक्त

पर से नीचे

1. भजन गाने वाला 2. सिर, जीता हुआ, शीर्ष भाग 3. स्वस्थ, सुंदर, शुद्ध 4. रात, रात्रि 6. सदाबहार वृक्ष 7. विष 11. हाथ, किरण, महसूल (सं.) 12. जंगल 13. अग्नि को शांत करना 14. समुद्र का वह भाग जो तीन ओर स्थल से घिरा हो 16. वह जो गाया जाए, गाना 17. नेता, अगुआ, सरदार 21. मुक्त. बंधनों से छूटा हुआ 22. चमडा त्वचा

बाएं से दाएं

1. मन में छिपा हुआ दुख या गुबार 3. सुरगाय की पूंछ का गुच्छा जिसे देवमूर्तियों पर डुलाते हैं 5. विवाह आदि पर रात भर जागना 8. जल, पानी (सं.) 9. महीना, मास 10. अवश्य होकर रहने वाली घटना या बात 11. मधुर स्वर, कोमल मधुर ध्वनि 13. ज्वर 15. पत्थर आदि का वह रंगीन चमकीला टुकड़ा जो शोभा के लिए आभूषण-अंगूठी आदि में जड़ा जाता है 18. छोटे-छोटे पेड़ों का समूह 19. पानी में रहने वाला एक प्रकार का

Solution 12273

आ	तं	कि	त	■	सि	ता	र
द	■	वा	र	■	ल	प	ट
र	■	ड़	■	अ	सि	■	■
■	पू	■	जं	ग	ला	■	सि
सि	त	म	ग	र	■	पा	या
कु	ना	म	■	■	त	र	स
ड़	■	ता	ल	व्य	■	सा	त
ना	ना	■	व	क्त	व्य	■	दां

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में यात्रा होगी, सफलता मिलेगी, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, राजनैतिक गतिविधियों का योग है, वर्ष के मध्य में दाम्पत्य जीवन में कलह की स्थिति न आने दें, यात्रा होगी,वर्ष के अन्त में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, दिनचर्या में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है. मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को भौतिक सुख साधनों की उपलब्धता रहेगी, उत्तरदायित्वों को संभालना पड़ेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यापार में सफलता मिलेगी, यात्रा में कष्ट होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को मित्रों से मतभेद होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को आय में सुधार होगा, धार्मिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उन्नति होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त होगी, अध्ययन में रूचि रहेगी.मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का मनोबल बना रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुन्दर, गंभीर, महत्वाकांक्षी, उदार होगा, और परोपकारी होगा, शिक्षा अच्छी रहेगी,कई विषयों का ज्ञाता होगा, इसमें निरंतर आगे बढ़ने की क्षमता रहेगी. ईश्वर भक्त भी होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

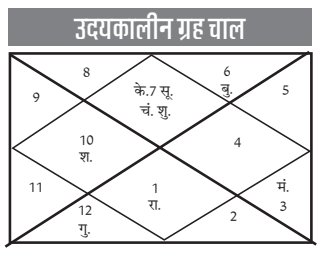

पंचांग

रा.मि. 11 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा चन्द्रवासरे दिन 3/4, ज्येष्ठा नक्षत्रे शाम 6/14, सिद्ध योगे प्रात: 6/0, कौलव करणे सू.उ. 5/16, सू.अ. 6/44, चन्द्रचार वृश्चिक शाम 6/14 से धनु, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक- 0,3,7.

त्यापार भविष्य

अधिक ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा को ज्येष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से सरसों, अरंडी, मूँगफली, बिनौला, खल में पहली चाल चलेगी, गुड, खांड, शक्कर, सूत, कपास, जूट, पाट, बारदाना, में तेजी का रूख रहेगा. भाग्यांक 3712 है.

मेष- थोड़े से बदलाव से बड़ी सफलता का योग है, सोच विचार कर आगे बढ़ें, व्यवसाय में परिश्रम की अधिकता रहेगी, सुख सौहार्द्र बना रहेगा.

वृषभ- परिवार का पूरा साथ मिलेगा, जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लेना ही हितकर रहेगा, उदारता से काम बनेगा, संतान से संबंधित शुभ सूचना प्राप्त होगी.

मिथुन- दौड़धूप करके आप अपना काम बना लेंगे, अनिर्णय की स्थिति से नुकसान होगा, शुभ सूचना मिलने से हर्ष होगा, मांगलिक कार्यों में व्यय होगा.

कर्क- विवादास्पद मामले हल होंगे, प्रियजन से मुलाकात सुखद रहेगी, व्यर्थ की चिन्ता एवं तनाव दूर होगा, राजनैतिक कार्य सफल होगा.

सिंह- परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहेंगे, वैचारिक आदान प्रदान से राह आसान होगी, सोचे कार्य में मानसिक प्रसन्नता रहेगी, स्वास्थ्य का ध्यान रखकर कार्य करें.

कन्या- फैसला लेने से पहले वक्त की नजाकत को समझें, किसी आवश्यक कार्य में व्यस्तता रहेगी, कार्यों में विलंब होगा, नया खर्च सामने आयेगा.

तुला- प्रापर्टी के क्रय विक्रय को लेकर विवाद हो सकता है, जोखिम के कार्यों में परेशानी होगी, मानसिक प्रसन्नता रहेगी, मांगलिक कार्यों में खर्च होगा.

वृश्चिक- विषम परिस्थितियों में दोस्तों का सहयोग संबल देगा, आपका मूड कुछ उखड़ा उखड़ा रहेगा, पारिवारिक आर्थिक चिन्ता रह सकती है, लाभ होगा.

धनु- निजी राय को काम पर हावी न होने दे, झूठ बोलकर मुश्किल में पड़ जायेंगे, अतिथि आगमन होगा, श्रम साध्य कार्य बनने का योग है.

मकर- विरोधी आपकी कमजोरी भांपकर हावी होने की कोशिश करेंगे, जमीन जायजाद प्रापर्टी के कार्यों में प्रयास सफल रहेगा, धन व्यय अधिक होगा.

कुम्भ- कारोबारी विस्तार की योजना बनेगी, घरेलू विवाद से दूर रहें, निपट जायेंगे, लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी, दूरदराज की यात्रा संभव है.

मीन- मजबूत इरादों के साथ जिस कार्य में हाथ डालेंगे, सफलता अवश्य मिलेगी, मित्रों के सहयोग से आपकी प्रसन्नता रहेगी, लाभदायक अवसर मिलेंगे.

SUDOKU 7406

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7405

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7